अपठित गद्यांश एवं अपठित पद्यांश

अपठित गद्यांश – परिचय

अपठित का अर्थ होता है 'जो पढ़ा नहीं गया हो'। यह किसी पाठ्यक्रम की पुस्तक में से नहीं लिया जाता है। यह कला, विज्ञान, राजनीति, साहित्य या अर्थशास्त्र, किसी भी विषय का हो सकता है। इनसे सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाते हैं। इससे छात्रों का मानसिक व्यायाम होता है और उनका सामान्य ज्ञान भी बढ़ता है। इससे छात्रों की व्यक्तिगत योग्यता व अभिव्यक्ति की क्षमता बढ़ती है।

विधि

अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों को हल करने के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

1. दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़ना चाहिए।

2. गद्यांश पढ़ते समय मुख्य बातों को रेखांकित कर देना चाहिए।

3. गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर देते समय भाषा एकदम सरल होनी चाहिए।

4. उत्तर सरल व संक्षिप्त व सहज होने चाहिए। अपनी भाषा में उत्तर देना चाहिए।

5. प्रश्नों के उत्तर कम-से-कम शब्दों में देने चाहिए, साथ हीं गद्यांश में से हीं उत्तर छाँटने चाहिए।

6. उत्तर में जितना पूछा जाए केवल उतना हीं लिखना चाहिए, उससे ज़्यादा या कम तथा अनावश्यक नहीं होना चाहिए। अर्थात, उत्तर प्रसंग के अनुसार होना चाहिए।

7. यदि गद्यांश का शीर्षक पूछा जाए तो शीर्षक गद्यांश के शुरु या अंत में छिपा रहता है।

8. मूलभाव के आधार पर शीर्षक लिखना चाहिए।

अपठित पद्यांश - परिचय

अपठित पद्यांश का अर्थ है 'वह कविता का अंश या कविता जो पहले पढ़ी न गई हो'। अपठित पद्यांश में किसी कविता का एक अंश दिया जाता है तथा उस पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। यह कविता किसी (अर्थात उसी कक्षा के) पाठ्यक्रम की पुस्तक में से नहीं दी जाती है। इसे पढ़कर इससे सम्बन्धित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं। इससे छात्रों की कविता पढ़ने और समझने की क्षमता का विकास होता है।

विधि

इनको हल करते समय निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान देना अनिवार्य है।

1. कविता को दो-तीन बार पढ़ना चाहिए, जिससे उसका भाव और अर्थ अच्छी तरह समझ में आ जाए।

2. कविता को समझकर उत्तर देने चाहिए।

3. प्रश्नों के उत्तर कविता की लाइनों में नहीं देने चाहिए, बल्कि अपने शब्दों में गद्य में देने चाहिए।

4. उत्तर सरल, स्पष्ट और कम शब्दों का प्रयोग करके भावों के साथ व्यक्त करना चाहिए।

अपठित गद्यांश 1

बग़दाद शहर का रहनेवाला सिंदबाद एक अमीर तथा कुशल नाविक था। उसने कई अद्भुत यात्राएँ की थीं। एक बार अपने साथियों के साथ यात्रा करते-करते उसका जहाज़ एक टापू के किनारे जा लगा। टापू सुंदर था। फलों से लदे हुए पेड़ और मीठे पानी के बहते झरनों को देखकर सभी नाविक बहुत प्रसन्न हुए। टापू पर घूमते-घूमते सिंदबाद बहुत आगे निकल गया। थकावट के कारण वह एक छायादार पेड़ के नीचे सो गया। जब नींद खुली तो उसके साथी और ज़हाज आँखों से ओझल हो चुके थे।

सिंदबाद बहुत घबरा गया। इतने में एक विशाल पक्षी नीचे उतरा। सिंदबाद ने झट से अपनी पगड़ी उतार कर स्वयं को पक्षी के पैरों से बाँध दिया। सुबह होते ही पक्षी के साथ वह दूसरी घाटी में जा उतरा। वह हीरों की घाटी थी। वहाँ चारों और चमचमाते हीरों के ढेर लगे थे। परंतु हीरों के साथ बड़े-बड़े साँप भी वहाँ रेंग रहे थे। सिंदबाद के तो होश उड़ गए। उसने जल्दी से कुछ हीरे अपनी जेबों में भर लिए।

थोड़ी देर में वहाँ बड़े-बड़े माँस के टुकड़े गिरने लगे। उन पर कुछ हीरे चिपके गए। सिंदबाद ने एक माँस के टुकड़े के साथ अपने-आप को बाँध लिया। तभी एक विशाल पक्षी ने उसी माँस के टुकड़े को उठाया और सिंदबाद को घाटी के उस पार ले उड़ा। सिंदबाद ने वहाँ खड़े हीरों के व्यापारिओं को अपनी कहानी सुनाई और उन्हीं के साथ बग़दाद लौट आया।

प्रश्न:1 सिंदबाद कहाँ का रहने वाला था?

(क) बग़दाद

(ख) यूनान

(ग) अरब

(घ) सिंदबाद

उत्तर: (क) बग़दाद

प्रश्न:2 सिंदबाद कैसा नाविक था?

(क) अद्भुत

(ख) छोटा

(ग) अमीर

(घ) कुशल व अमीर

उत्तर: (घ) कुशल व अमीर

प्रश्न:3 सिंदबाद दूसरी घाटी में कैसे पहुँचा?

(क) चलते-चलते

(ख) पक्षी की सहायता से

(ग) साँप से डर कर

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (ख) पक्षी की सहायता से

प्रश्न:4 किसे देखकर सिंदबाद के होश उड़ गए?

(क) हीरे

(ख) साँप

(ग) साँप और हीरे

(घ) माँस के टुकड़े

उत्तर: (ग) साँप और हीरे

प्रश्न:5 गद्यांश में से संयुक्त अक्षर से बनने वाले दो शब्द ढूँढिए।

(क) पक्षी, अद्‌भुत

(ख) पक्षी, यात्राएँ

(ग) थकावट, झरनों

(घ) कुशल, प्रसन्न

उत्तर: (ख) पक्षी, यात्राएँ

अपठित गद्यांश 2

सूखे मेवों की दुनिया में काजू का अपना ही स्थान है। आज इसकी गिनती संसार के श्रेष्ठ सूखे मेवों में की जाती है।

प्राचीनकाल में काजू सोने से भी कीमती समझा जाता था। यह केवल राजा-महाराजाओं का ही शाही भोजन था। हमारे देश के मुग़ल शासक इसे विदेशों से मंगवाया करते थे। काजू का सर्वप्रथम प्रयोग 15वीं सदी में पुर्तगाल में हुआ। इससे पहले इसे एक विषैला फल

समझकर इसके वृक्षों से भी दुर रहा जाता था। काजू को छकने वाले प्रथम व्यक्ति का नाम था किराजू। जब लोगों ने काजू के स्वाद और गुणों को गले से उतारा तो इसका नाम ही किराजू रख दिया। धीरे-धीरे इसकी लोकप्रियता बढ़ने के साथ ही किराजू की जगह इसका नाम काजू हो गया। इसे 'मेरुफल' के नाम से भी जाना जाता है।

प्रश्न:1 काजू का सर्वप्रथम प्रयोग कहाँ हुआ?

(क) 15वीं सदी के पुर्तगाल में

(ख) 15वीं सदी के काबुल में

(ग) अफ्रीका

(घ) अरब

उत्तर: (क) 15वीं सदी के पुर्तगाल में

प्रश्न:2 काजू को सबसे पहले किसने चखा?

(क) महाराजाओं ने

(ख) किराजू ने

(ग) किसानों ने

(घ) पक्षिओं ने

उत्तर: (ख) किराजू ने

प्रश्न:3 काजू का दूसरा नाम क्या है?

(क) सूखा मेवा

(ख) शाही भोजन

(ग) मेरुफल

(घ) विषैला फल

उत्तर: (ग) मेरुफल

प्रश्न:4 'जहरीला' शब्द का समानार्थक शब्द गद्यांश में से ढूँढकर लिखिए'

(क) सबसे अच्छा

(ख) विषैला

(ग) अजीब

(घ) पुराना

उत्तर: (ख) विषैला

प्रश्न:5 'इसिलिए' शब्द का शुद् शब्द लिखिए।

(क) इसीलिए

(ख) इसीलीए

(ग) इसलिए

(घ) इसिलीए

उत्तर: (क) इसीलिए

अपठित गद्यांश 3

आज संसार में अधिकतर देशों के लोग पतंग उड़ाते हैं। पतंग का जन्म चीन में हुआ था। चीन से होकर पतंग एशिया के अन्य देशों में पहुँची और धीरे-धीरे संसार भर में फैल गई। चीन में नवें महीने का नवां दिन 'पतंग दिवस' के रुप में मनाया जाता है। कोरिया में लोग वर्ष के प्रारंभिक दिनों में पतंग उड़ाते हैं। थाईलैंड में पतंग लड़ाने का प्रचलन है। अमेरिका में लोग बड़े चाव से पतंग उड़ाते हैं। वहाँ की दुकानों में प्रतिवर्ष दो

अरब से अधिक पतंगें बिकती हैं। कोरिया, चीन, जापान और मलाया के लोग पतंग उड़ाने में राष्ट्रीय गौरव का अनुभव करते हैं।

भारत में पतंगों का प्रचलन राजाओं और नवाबों के शौक से हुआ। वे अपनी पतंगों को सजाने में शान समझते थे। चाँदी के छोटे-छोटे घुँघरु व किनारों पर सोने-चाँदी की ज़री लगवा कर वे अपनी पतंगें सजाते थे। भारत में पहला पतंग संग्रहालय गुजरात की राजधानी अहमदाबाद में बनाया गया है।

इसमें विभिन्न रंगों एवं आकारों की सैंकड़ों पतंगें रखी हुई हैं। भारत में आज भी मकर संक्रांति, बसंत पंचमी व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बच्चे और बड़े घर की छतों एवं मैदानों में बड़े शौक से पतंगें उड़ाते हैं। आकाश में उड़तीं ये सुंदर-सुंदर नमूनों वाली रंग-बिरंगी पतंगें बहुत आकर्षक लगती हैं।

प्रश्न:1 चीन में पतंग दिवस कब मनाया जाता है।

(क) चौथे महीने के नवें दिन

(ख) नवें महीने के नवें दिन

(ग) पहले महीने के चौदहवें दिन

(घ) आँठवें महीने के पन्द्रहवें दिन

उत्तर: (ख) नवें महीने के नवें दिन

प्रश्न:2 पतंगों का जन्म किस देश में हुआ?

(क) चीन

(ख) जापान

(ग) थाईलैंड

(घ) कोरिया

उत्तर: (क) चीन

प्रश्न:3 भारत में पतंगों का प्रचलन क्यूँ हुआ?

(क) चीज़ों को सजाने की आदत से

(ख) संग्रहालयों की शोभा बढ़ाने के लिए

(ग) राजाओं एवं नवाबों के शौक की वजह से

(घ) आम आदमी के शौक की वजह से

उत्तर: (ग) राजाओं एवं नवाबों के शौक की वजह से

प्रश्न:4 भारत में किस पर्व पर पंतगें उड़ाई जाती हैं?

(क) दीपावली

(ख) होली

(ग) दशहरा

(घ) मकर संक्रांति

उत्तर: (घ) मकर संक्रांति

प्रश्न:5 'पुस्तकालय' शब्द का विग्रह कीजिए।

(क) पुस्तकालय

(ख) पुस्तक + आलय

(ग) पुस्त + कालय

(घ) पुस्तकाल + य

उत्तर: (ख) पुस्तक + आलय

अपठित गद्यांश 4

एक बार एक महिला अपने पुत्र को लेकर बापू जी के पास गई और बोली - "इस बालक की बहुत अधिक मिठाई खाने की आदत है, जिससे इसका स्वास्थ्य खराब होता जा रहा है। मैं हमेशा इसे यह आदत छोड़ने को कहती हूँ, लेकिन इस पर कोई असर नहीं होता। अगर आप इसे समझाएँ तो शायद यह अपनी बुरी आदत छोड़ दे।" बापू क्षण भर तो चुप रहे, फिर बोले - "मैं अवश्य इस बालक को समझाऊँगा, लेकिन अभी नहीं, सप्ताह भर बाद।" उनके इस उत्तर से विस्मित हुई वह महिला वापस लौट गई।

सप्ताह भर बाद वह पुन: अपने पुत्र के साथ उनके पास आई। बापू ने अपना वादा पूरा किया। उन्होंने सीधे सादे शब्दों में बालक को अधिक मिठाई खाने से होने वाली खराबियाँ समझाईं और यह बुरी आदत छोड़ देने को कहा।

महिला ने कहा "यह तो आप पहले दिन भी समझा सकते थे, इसके लिए आपने सप्ताह भर का समय क्यों लिया?" उनका उत्तर था "सप्ताह भर पहले मैं स्वयं इस आदत का शिकार था। लेकिन इस एक सप्ताह में मैंने वह आदत छोड़ दी है। उस समय मैं सलाह देने योग्य नहीं था। स्वयं को इस योग्य बनाने के लिए ही एक सप्ताह का समय लिया था।"

प्रश्न:1 महिला अपने पुत्र को बापू जी के पास क्यों लेकर आई?

(क) मिठाई की आदत छुड़ाने

(ख) अच्छी आदतें सिखाने

(ग) सच बुलवाने

(घ) मारपीट की आदत छुड़ाने

उत्तर: (क) मिठाई की आदत छुड़ाने

प्रश्न:2 उन्होंने बालक को समझाने के लिए एक सप्ताह का समय क्यों माँगा?

(क) बच्चा शैतान था

(ख) वे खुद मिठाई खाते थे

(ग) उन्होंने बच्चे को सीख देना उचित नहीं समझा

(घ) अपनी मिठाई की आदत छोड़ने के लिए

उत्तर: (घ) अपनी मिठाई की आदत छोड़ने के लिए

प्रश्न:3 महिला के कहने पर कि "यह बात आप पहले भी समझा सकते थे" बापू ने क्या उत्तर दिया?

(क) मैं खुद उस आदत का शिकार था

(ख) मैं नहीं जानता कि क्या उत्तर है

उत्तर: (क) मैं खुद उस आदत का शिकार था

प्रश्न:4 स्व, थ्य संयुक्त अक्षरों से बने शब्द अनुच्छेद में से ढूँढिए।

(क) पथ्य, स्वागत

(ख) स्वयं, स्वास्थय

(ग) स्वांग, स्वस्थय

(घ) सर्वस्व, गथ्य

उत्तर: (ख) स्वयं, स्वास्थय

प्रश्न:5 "औरत" शब्द का पर्याय बताइए जो इस गद्यांश में से हो।

(क) औरतें

(ख) नारी

(ग) महिला

(घ) स्त्री

उत्तर: (ग) महिला

अपठित गद्यांश 5

पैंग्विन ठंडे प्रदेशों में पाया जाने वाला पक्षी है। यह हमारी ही तरह अपने पैरों पर चलने वाला पक्षी है। यह पंद्रह से बीस वर्षों तक जीवित रह सकता है। इसके पंख सूरज की गरमी को सोख लेते हैं, इससे इनका शरीर गरम रहता है।

अन्य पक्षी तो आकाश में उड़ते हैं, लेकिन पैंग्विन उड़ नहीं सकता। इसके पंख तो होते हैं, लेकिन ये पंख इसे उड़ने में मदद नहीं करते, क्योंकि इसके शरीर का भार बहुत अधिक होता है। पैंग्विन तैरने में उस्ताद होते हैं। ये कुशल गोताखोर भी होते हैं। अगर औलंपिक खेलों में इन्हें भाग लेने दिया जाए तो हो सकता है कि तैराकी के सारे पदक ये ही जीत ले जाएँ।

ये एक घंटे में दस किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर लेते हैं। पैंग्विन के दाँत नहीं होते। इनका मुख्य आहार मछली है। पैंग्विन की लगभग 18 प्रकार की जातियाँ हैं, जिनमें से बादशाह संसार का सबसे बड़ा पैंग्विन है। यह एक मीटर लंबा होता है और इसका वजन लगभग चालिस किलो होता है। यह बहुत अच्छा गोताखोर है जो पानी में 870 फुट नीचे 18 मिनट तक ठहर सकता है। इसकी तैरने की गति 27 किलोमीटर प्रतिघंटा है।

प्रश्न:1 पैंग्विन कहाँ पाए जाते हैं?

(क) ठंडे प्रदेशों में

(ख) गर्म प्रदेशों में

(ग) बरसाती इलाकों में

(घ) बराबर सर्दी-गर्मी रहने वाले इलाकों में

उत्तर: (क) ठंडे प्रदेशों में

प्रश्न:2 पैंग्विन पंख होते हुए भी उड़ क्यों नहीं सकते?

(क) इनके पंख छोटे होते हैं

(ख) इनहें पैरों पर चलने की आदत होती है

(ग) इनके शरीर का भार अधिक है

(घ) इनके पंख बहुत बड़े होते हैं

उत्तर: (ग) इनके शरीर का भार अधिक है

प्रश्न:3 संसार के सबसे बड़े पैंग्विन का क्या नाम है?

(क) किंग

(ख) एंपरर

(ग) उस्ताद

(घ) पैंग्विन बिग

उत्तर: (ख) एंपरर

प्रश्न:4 पैंग्विन कितने प्रकार के होते हैं?

(क) 20

(ख) 28

(ग) 18

(घ) 38

उत्तर: (ग) 18

प्रश्न:5 पैंग्विन की तैरने की गति क्या है?

(क) 37 किलोमीटर प्रति घंटा

(ख) 29 किलोमीटर प्रति घंटा

(ग) 47 किलोमीटर प्रति घंटा

(घ) 27 किलोमीटर प्रति घंटा

उत्तर: (घ) 27 किलोमीटर प्रति घंटा

अपठित गद्यांश 6

तब किसी कुत्ते के किकियाने की आवाज़ सुनाई दी। ओचुमेलॉव ने उस आवाज़ की दिशा में घूमकर घूरा और पाया कि एक व्यापारी पिचूगिन के काठगोदाम में से एक कुत्ता तीन टाँगों के बल पर रेंगता चला आ रहा है। छींट की कलफ लगी कमीज़ और बिना बटन की वास्केट पहने हुए, एक व्यक्ति कुत्ते के पीछे दौड़ रहा था। गिरते-पड़ते उसने कुत्ते को पिछली टाँग से पकड़ लिया।

फिर कुत्ते का किकियाना और एक चीख-"मत जाने दो"- दोबारा सुनाई दी। दुकानों में ऊँघते हुए चेहरे बाहर झाँके और देखते-ही-देखते, जैसे ज़मीन फाड़कर निकल आई हो, एक भीड़ काठगोदाम को घेरकर खड़ी हो गई।

प्रश्न:1 ओचुमेलॉव को किसकी आवाज़ सुनाई दी?

(क) कुत्ते की

(ख) व्यापारी व कुत्ते की

(ग) बिल्ली की

(घ) एक व्यक्ति की

उत्तर: (क) कुत्ते की

प्रश्न:2 ओचुमेलॉव ने घूमकर क्या देखा?

(क) उसने कुत्ते की टाँग पकड़े एक व्यक्ति को देखा

(ख) उसने एक रेंगता हुआ कुत्ता देखा

(ग) उसने एक दौड़ते हुए व्यक्ति को देखा

(घ) (क), (ख), (ग) सभी

उत्तर: (घ) (क), (ख), (ग) सभी

प्रश्न:3 कुत्ते के पीछे दौड़ने वाला क्या निवेदन कर रहा था?

(क) कुत्ते को मत जाने दो

(ख) मुझे छोड़ दो

(ग) कुत्ते को मारो

(घ) कुत्ते को छोड़ दो

उत्तर: (क) कुत्ते को मत जाने दो

प्रश्न:4 आदमी के चीख़ने की आवाज़ से क्या हुआ?

(क) सब भाग गए

(ख) सब इकट्ठा हो गए

(ग) दुकानदार छिप गए

(घ) ओचुमेलॉव वहाँ आ गया

उत्तर: (ख) सब इकट्ठा हो गए।

प्रश्न:5 'किकियाने' शब्द का अर्थ बताइए।

(क) व्यक्ति का रोना

(ख) भीड़ की आवाज़

(ग) कुत्ते का रोना

(घ) सायरन की आवाज़

उत्तर: (ग) कुत्ते का रोना

अपठित गद्यांश 7

एक बार नारद घूमते-घूमते बैकुण्ठ धाम में भगवान विष्णु के पास पहुँचे। वे बोले "प्रभो! मेरे मन में एक प्रश्न आया है, आप उसका उत्तर देंगे?"

"पूछो! पूछो! नारद, अवश्य पूछो। मैं तुम्हारे प्रश्न का उत्तर अवश्य दूँगा," विष्णु जी बोले। नारद बोले "मैं जानना चाहता हूँ कि आपका सबसे प्रिय भक्त कौन है?" विष्णु जी समझ गए कि नारद ने यह प्रश्न क्यों पूछा है। नारद जी के मन में यह भ्रम उत्पन्न हो गया था कि मैं हर समय भगवान का नाम लेता रहता हूँ, इसलिए मैं ही भगवान का सबसे प्रिय भक्त हूँ।

वे सोच रहे थे कि भगवान विष्णु मुझे ही अपना सबसे प्रिय भक्त बनाएँगे। मगर विष्णु जी का उत्तर सुनकर नारद जी चौंक गए। विष्णु जी बोले, "मेरा सबसे प्रिय भक्त पृथ्वीलोक पर रहने वाला एक किसान है।" "मगर प्रभु!" "मैं परीक्षा लूँगा", "अवश्य ले सकते हो" विष्णु जी ने उत्तर दिया। नारद जी सीधे आ पहुँचे पृथ्वी लोक में, उस किसान के घर।

उन्होंने देखा कि किसान सुबह उठकर, दोपहर में तथा शाम को खेतों से वापस आकर दिन में केवल तीन बार ही भगवान का नाम लेता है। नारद जी को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि यह किसान जो दिन में केवल तीन बार भगवान का नाम लेता है, भगवान का सबसे प्रिय भक्त कैसे हो सकता है। नारद विष्णु जी के पास वापस आए और बोले, "भगवन! मैं किसान की परीक्षा लेकर आया हूँ। वह तो दिन में केवल तीन बार ही आप का नाम लेता है। फिर वह आपका सबसे प्रिय भक्त कैसे हो सकता है।"

विष्णु जी मुस्कराए और बोले "मैं तुम्हारे प्रश्न का उत्तर दूँ, इससे पहले तुम्हें मेरा एक जरुरी काम करना होगा" विष्णु जी ने तेल से भरा एक पात्र नारद को दिया और कहा कि इस पात्र को लेकर पूरी पृथ्वी का एक चक्कर लगा आओ, पर ध्यान रखना⁻इस पात्र से एक बूँद भी तेल गिरने न पाए। इसके बाद नारद पृथ्वी की परिक्रमा करने चल दिए। परिक्रमा लगाकर वे लौटे और विष्णु जी के पास पहुँच गए।

विष्णु जी नारद को देखकर फिर मुस्कराए और बोले, "वत्स! तुमने पृथ्वी की परिक्रमा लगाते समय मेरा नाम कितनी बार लिया?"

"एक बार भी नहीं" नारद बोले। "प्रभु! मेरा ध्यान तो आपके बताए हुए काम में लगा हुआ था कि कहीं पात्र से एक बूँद भी तेल न गिर पड़े। मेरे पास आपका नाम लेने के लिए फुर्सत ही कहाँ थी?"

विष्णु जी बोले "वत्स! वह किसान तो दिन-रात मेरा ही दिया हुआ काम करता है। वह खेतों में दिन-रात काम करके अन्न उगाता है, सबका पेट भरता है, यह काम उसे मेरा ही दिया हुआ है। इतना व्यस्त होने पर भी वह दिन में तीन बार मेरा नाम तो लेता है। इसी वजह से वह मुझे सर्वाधिक प्रिय है।"

प्रश्न:1 नारद जी को क्या भ्रम हो गया था?

(क) कि वह विष्णु जी के सबसे अनोखे भक्त हैं

(ख) कि वह विष्णु जी के सबसे प्रिय भक्त हैं

(ग) कि वह विष्णु जी का नाम सबसे ज्यादा लेते हैं

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (ख) कि वह विष्णु जी के सबसे प्रिय भक्त हैं

प्रश्न:2 विष्णु जी का सबसे प्रिय भक्त कौन था?

(क) एक किसान

(ख) नारद जी

(ग) कोई नहीं

(घ) आम जनता

उत्तर: (क) एक किसान

प्रश्न:3 नारद परिक्रमा लगाते समय एक बार भी भगवान का नाम क्यों नहीं ले पाए?

(क) उनका ध्यान तेल पर केन्द्रित था

(ख) वह ज़रूरी काम कर रहे थे

(ग) उन्हें फुर्सत नहीं मिली

(घ) वह किसान को देख रहे थे

उत्तर: (क) उनका ध्यान तेल पर केन्द्रित था

प्रश्न:4 "सर्वाधिक" शब्द का संधिविच्छेद कीजिए।

(क) सर्वा + अधिक

(ख) सर्वाध + इक

(ग) सर्व + अधिक

(घ) सर्वा + धिक

उत्तर: (ग) सर्व + अधिक

प्रश्न:5 किसान भगवान का नाम कितनी बार लेता था?

(क) एक बार

(ख) चार बार

(ग) चारों पहर

(घ) तीन बार

उत्तर: (घ) तीन बार

अपठित काव्यांश 1

पर्वत के विशाल शिखरों-सा यौवन उसका ही है अक्षय,

जिसके चरणों पर सागर के होते अनगिन ज्वार सदा लय।

अचल खड़े रहते तो ऊँचा, शीश उठाए तुफानों में

सहन शीलता, दृढ़ता हँसती, जिनके यौवन के प्राणों में।

यह पंथ बाधा को तोड़े बहते हैं जैसे हो निर्झर,

प्रगति नाम को सार्थक करता यौवन दुर्गमता पर चलकर।

आज देश की भावी आशा बनी तुम्हारी हो तरूणाई

नए जन्म की खास तुम्हारे अंदर जगकर है लहराई।

आज विगत युग के पतझर पर तुमको नव मधुमास खिलाना,

नवयुग के पृष्ठों पर तुमको, है नूतन इतिहास लिखाना।

उठो राष्ट्र के नव यौवन तुम, दिशा-दिशा का सुन आमंत्रण,

जगो देश के प्राण, जगा दो नए प्रात का नया जागरण।

प्रश्न-1 यौवन को कैसा माना गया है?

(क) दुर्गम रास्ता

(ख) पर्वत जैसा

(ग) सागर जैसा

(घ) मधुमास जैसा

सही उत्तर – (ख) पर्वत जैसा

प्रश्न-2 नवयुग के लिए लेखक युवकों को क्या करने की प्रेरणा दे रहा है?

(क) नूतन इतिहास

(ख) मधुमास खिलाना

(ग) सहनशीलता

(घ) नव उत्साह

सही उत्तर – (क) नूतन इतिहास

प्रश्न-3 युवकों को कैसा होना चाहिए?

(क) तूफानों की तरह

(ख) आशावादी

(ग) चेतन

(घ) निर्झर की तरह

सही उत्तर – (घ) निर्झर की तरह

प्रश्न-4 प्रगति का नाम, यौवन कैसे सार्थक करता है?

(क) दुर्गमता पर चलकर

(ख) दिशाओं को आंमत्रित करके

(ग) चेतना की अंगडाई

(घ) तूफानों को रोककर

सही उत्तर – (क) दुर्गमता पर चलकर

प्रश्न-5 'अ' उपसर्ग से बना शब्द पंद्याश में से छाँटिए।

(क) अक्षय

(ख) आशा

(ग) आमंत्रण

(घ) आज

सही उत्तर – (क) अक्षय

अपठित काव्यांश 2

सभ्यता कहाँ गई, आ गई, कहाँ है खड़ा विश्व

जा रहा है किधर गति रथ विज्ञान कलाओं का

किस दिशि उन्मुक इतिहास? दे रहा क्या विकास?

क्या शोर समय का है? क्या जोर हवाओं का?

क्या यही सभ्यता का वह सुंदर सुखद स्वर्ग?

है पड़ा जहाँ पग-पग पर मुरदों का पड़ाव,

बिक रहा जहाँ नारीत्व रजत के टुकड़ों पर

फूलों के शव पर जहाँ श्रृंगालों का जमाव।

प्रश्न-1 कवि के अनुसार सभ्यता कहाँ खड़ी है?

(क) रथपर

(ख) हवाओं में

(ग) दोराहे पर

(घ) फूलों के शव पर

सही उत्तर – (ग) दोराहे पर

प्रश्न-2 हमारे इतिहास की क्या अवस्था है?

(क) दिशाहीन

(ख) जुड़ा तुड़ा

(ग) विकास की ओर

(घ) सुखद स्वर्ग

सही उत्तर – (क) दिशाहीन

प्रश्न-3 सभ्यता किस ओर जाना चाहती है?

(क) बिकने की ओर

(ख) विकास की ओर

(ग) सुंदर स्वर्ग की ओर

(घ) नवयुग की ओर

सही उत्तर – (घ) नवयुग की ओर

प्रश्न-4 आज नारीत्व की क्या स्थिती हो गई है?

(क) धन के लिए बिकना

(ख) शर्मनाक

(ग) दासी

(घ) विपत्तियों भरा

सही उत्तर – (क) धन के लिए बिकना

प्रश्न-5 'श्रृंगलों' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) कुत्ता

(ख) भेडिया

(ग) सियार

(घ) गधे

सही उत्तर – (ग) सियार

अपठित काव्यांश 3

बहुत दिनों बाद मुझे धूप ने बुलाया।

ताते जल नहा पहन श्वेत वसन आई,

खुले लान बैठ गई दमकली लुनाई,

सूरज खरगोश धवल गोद उछल आया

बहुत दिनों बाद मुझे धूप ने बुलाया।

पैरों में मखमल की जूती-सी क्यारी,

मेघ ऊन का गोला बुनती सुकुमारी,

डोलती सलाई हिलता जल लहराया।

बहुत दिनों बाद मुझे धूप ने बुलाया।

बोली कुछ नहीं एक कुर्सी की खाली,

हाथ बढ़ छज्जे की साया सरका ली,

बाँह छुड़ा भागा, गिर बर्फ हुई छाया।

बहुत दिनों बाद मुझे धूप ने बुलाया

प्रश्न-1 बहुत दिनों के बाद लेखिका को क्या अच्छा लगा?

(क) धूप का बुलाना

(ख) धूप का खिलना

(ग) धूप छा जाना

(घ) धूप से गरमी आना

सही उत्तर – (क) धूप का बुलाना

प्रश्न-2 सूरज को किस रूप में बताया गया है?

(क) रूई का फाहा

(ख) खरगोश

(ग) सफेद फूल

(घ) गेंद

सही उत्तर – (ख) खरगोश

प्रश्न-3 'डोलती सलाई से जल का लहराना' से क्या तात्पर्य है?

(क) हवा का चलना

(ख) बादलों का चलना

(ग) सलाई से पानी हिलाना

(घ) पानी मे लहर उठना

सही उत्तर – (ग) सलाई से पानी हिलाना

प्रश्न-4 लेखिका कहाँ बैठी थी?

(क) आँगन में

(ख) मैदान में

(ग) छज्जे के नीचे

(घ) कमरे में

सही उत्तर – (ग) छज्जे के नीचे

प्रश्न-5 इस पद्यांश में भाषा का कौन सा रूप है?

(क) लोकभाषा

(ख) व्याकरणिक हिन्दी

(ग) खड़ी बोली

(घ) मध्यवर्गीय भाषा

सही उत्तर – (ग) खड़ी बोली

अपठित काव्यांश 4

घास-फूस की खड़ी झोंपड़ी लाज सँभाले जीवन भर की।

कुटिया में मिट्टी के दीपक, मंदिर में प्रतिमा पत्थर की।।

जहाँ बास कंकड में हरि का, वहाँ नहीं चाँदी चमकीली।

मेरा देश बड़ा गर्वीला रीति-रसम ऋतु रंग रंगीली।।

बरस-बरस पर आती होली, रंगों का त्योहार अनूठा।

चुनरी इधर, उधर पिचकारी गालभाल पर कुमकुम फूटा।

लाल-लाल बन जाते काले गोरी सूरत पीली नीली।

मेरा देश बड़ा गर्वीला रीति-रसम ऋतु रंग रंगीली।।

दीवाली दीपों का मेला झिलमिल महल कुटी गलियारे।

भारत भर में उतने दीपक जितने जलते नभ में तारे।।

सारी रात पटाखे छोड़े नटखट बालक उमर हठीली।

मेरा देश बड़ा गर्वीला रीति-रसम ऋतु रंग रंगीली।।

प्रश्न-1 एक झोपड़ी घास की बनी होने पर भी क्या सम्भाल कर रखती है?

(क) प्रतिमा

(ख) बांस

(ग) मिट्टी

(घ) लाज

सही उत्तर – (घ) लाज

प्रश्न-2 मुझे अपने देश पर क्यों गर्व है?

(क) गर्वीला है

(ख) रंग रंगीली

(ग) सम्मानित है

(घ) 1,2,3 सभी हैं

सही उत्तर – (घ) 1,2,3 सभी हैं

प्रश्न-3 किस ऋतु में लाल पीले हो जाते हैं?

(क) होली

(ख) दिवाली

(ग) लोहाड़ी

(घ) संक्रात

सही उत्तर – (क) होली

प्रश्न-4 दीपवाली पर किसका मेला लगता है?

(क) खिलोने का

(ख) मिठाई का

(ग) दीपों का

(घ) लोगों का

सही उत्तर – (ग) दीपों का

प्रश्न-5 पद्यांश में से विशेषण का उदाहरण लिखिए।

(क) झिलमिल महल

(ख) कुमकुम फूटा

(ग) रंग रंगीला

(घ) मंदिर में प्रतिमा

सही उत्तर – (क) झिलमिल महल

अपठित काव्यांश 5

जब तक जीवन मनुज पंथ पर चलता रहता,

प्रतिदिन, प्रतिफल नई कहानी कहता रहता।

जीवन जल का वाची जो बहता रहता है,

अनदेखे अवरोधों को सहता रहता है।।

अन्तर में 'उत्साह', लक्ष्य के प्रति दृढ़ निष्ठा,

कर देती मानव समाज में प्राण प्रतिष्ठा।

सत्य? जहाँ टकराकर मिटते स्वयं प्रभंजन

हो जाता तूफानों चट्टानों का मर्दन।।

यह सात्विक उत्साह मनुज को बल देता है,

पथ की बाधाओं को स्वयं मसल देता है।

जन सेवा का मार्ग महा विस्तृत समुद्र है,

वह तर पाता कहाँ मनुज जो स्वयं क्षुद्र है।।

प्रश्न-1 जीवन मनुज पंथ पर चलता क्या सहता रहता है?

(क) नई कहानी

(ख) बहता जीवन

(ग) अनदेखे अवरोध

(घ) शत्रुता

सही उत्तर – (ग) अनदेखे अवरोध

प्रश्न-2 तूफानों, चट्टानों का मर्दन किससे होता है?

(क) सत्य से

(ख) टकराने से

(ग) टूटने से

(घ) तूफान से

सही उत्तर – (क) सत्य से

प्रश्न-3 अन्दर का उत्साह, निष्ठा समाज में क्या करता है?

(क) उत्तेजना

(ख) प्राण प्रतिष्ठा

(ग) लक्ष्य प्राप्त करना

(घ) उत्सव मनाना

सही उत्तर – (ख) प्राण प्रतिष्ठा

प्रश्न-4 'जन सेवा का मार्ग महा विस्तृत समुद्र है' से क्या तात्पर्य है?

(क) कँटीली झांडियों से भरा

(ख) जानवरों से भरा

(ग) कठिनाइयों से भरा

(घ) अंतहीन कठिनाइयों से भरा

सही उत्तर – (घ) अतंहीन कठिनाइयों से भरा

प्रश्न-5 'क्षुद्र' शब्द का अर्थ बताइए (पद्यांश के आधार पर)।

(क) अपवित्र

(ख) सफाई करने वाला

(ग) गलत विचार वाला

(घ) गंदा रहने वाला

सही उत्तर – (ग) गलत विचार वाला